सांध्य दैनिक
4PM

यदि आप दृढ़ संकल्प और पूर्णता के साथ काम करेंगे तो सफलता ज़रूर मिलेगी।

-धीरूभाई अंबानी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 267 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 8 नवम्बर, 2022

'डबल इंजन की सरकार' में उद्योगपतियों... 7 | मैनपुरी लोकसभा सीट पर 'मुलायम... 3 | कमजोर वर्ग के लिए खुलेंगे अब... 2

गुरु नानक ने दिया था मानवता और जुल्म से लड़ने का संदेश : सीएम योगी

» मुख्यमंत्री ने जयंती पर प्रकाशोत्सव में उनके योगदान पर प्रकाश डाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु नानक जयंती पर लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से डीएवी कॉलेज मैदान में आयोजित प्रकाशोत्सव में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री योगी ने फूलों से सजे गुरु ग्रंथ साहिब पर उन्होंने मत्था टेका और कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बग्गा ने उन्हें सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि जिस कालखंड में मानवता कराह रही थी। शासक जोर और जुल्म कर रहा था। ऐसे कठिन समय में परमात्मा की एक जोत आई, जिसने सारे संसार को ईश्वर का संदेश दिया और जुल्म को मिटाने के खिलाफ खड़ा किया।

सीएम बोले, आज प्यार और श्रद्धा के साथ हम भारत में गुरु नानक जयंती मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुरु नानक की जन्म स्थली ननकाना साहिब में वो खुशी अपनापन और स्वतंत्रता हमें हासिल नहीं है। हमें इतिहास को केवल पढ़ना नहीं है। उससे शिक्षा लेनी है, गुरु नानक की शिक्षाओं के ऊपर चल कर मानवता की सेवा करते हुए प्रेम और शांति का संदेश देना है। जिस समय में आने जाने के साधन और सुविधाएं नहीं थी, उस समय गुरु नानक ने कठिन समय में 38000 मील का सफर तय करके परमात्मा का संदेश दुनिया के हर कोने में पहुंचाया और मानवता की भलाई और सेवा का संदेश दिया। उन्होंने जुल्म के खिलाफ खड़े होने का नैतिक बल दिया। प्रकाश उत्सव में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद थे। इसके अलावा प्रकाशोत्सव पर गुरुद्वारा यहियागंज में सुबह दीवान सजाया गया। गुरुद्वारे के अध्यक्ष डॉ. गुरमीत सिंह ने संगतों का सम्मान किया। गुरुद्वारा आशियाना में चेयरमैन जेएस चड्ढा की ओर से चिकित्सा शिविर लगाया गया। गुरुद्वारा आलमबाग के पास चार साहिब जादे पार्क का भी शिलान्यास किया गया।

मुख्यमंत्री मथुरा के लिए देर शाम होंगे रवाना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर मथुरा पहुंचने वाले हैं। वे यहां भाजपा सांसद हेमा मालिनी के महारास और इस्कॉन की ओर से आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। कार्यक्रम क्षेत्र को पांच सुपर जोन, 14 जोन और 32 सेक्टरों में बांटकर सुरक्षा का खाका तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री आगरा एयरपोर्ट से शाम 5:05 बजे चलकर मथुरा के वेटरनेरी यूनिवर्सिटी के हेलीपैड पर शाम 5:25 बजे पहुंचेंगे। शाम 5:35 बजे से 6:55 बजे तक वेटरनेरी यूनिवर्सिटी गेस्ट हाउस में रहेंगे। शाम सात बजे से रात आठ बजे तक जवाहर बाग में सांसद हेमा मालिनी द्वारा उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के साथ आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे।

गुरु नानक देव ने समाज को नई दिशा प्रदान की

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु नानक जयन्ती पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने आडम्बरों और अंधविश्वासों का प्रतिकार करके समाज को नई दिशा प्रदान की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी के सर्व-धर्म समभाव एवं सामाजिक सद्भाव के सन्देश में सम्पूर्ण मानवता का कल्याण निहित है। उन्होंने कहा गुरु नानक ने हमेशा समाज को नई दिशा प्रदान की। लोगों से कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत सभी सावधानियां बरतते हुए गुरु नानक जयंती के अनुष्ठान सम्पन्न करने की अपील की। आपस में एकता बनाए रखने पर भी जोर दिया।

लोकबंधु अस्पताल पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा कई और स्थानों का भी करेंगी दौरा

» लखनऊ के दो दिवसीय दौरे पर हैं यूनिसेफ की गुडविल एंबेसडर व अभिनेत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूनिसेफ की गुडविल एंबेसडर व अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा लखनऊ के दौरे पर हैं। मंगलवार सुबह वह लोकबंधु अस्पताल के बाद एक अन्य अस्पताल पहुंचीं, वहां वे लोगों से मिलीं। इससे पहले कल उन्होंने सरकारी स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों का दौरा किया और बच्चों से मुलाकात की। शाम को वह 1090 पहुंचीं और महिला कॉलटेकर्स के साथ समय गुजारा।

सरकारी स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों पर उनकी एक झलक पाने के लिए भीड़ लगी रही। दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन प्रियंका चोपड़ा औरंगाबाद के बेसिक स्कूल पहुंचीं। उन्होंने बच्चों के बीच जमीन पर बैठकर नुक्कड़ नाटक 'चुप्पी तोड़ो खुलकर बोलो' देखा। इसमें बच्चों ने छेड़छाड़, महिला उत्पीड़न, सामाजिक हिंसा आदि के खिलाफ

लखनऊ में प्रियंका चोपड़ा के विरोध में पोस्टर

लखनऊ दौरे के दूसरे दिन अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा लोकबंधु अस्पताल पहुंचीं। इस बीच देसी गर्ल के दौरे का विरोध शुरू हो गया है। उनके विरोध में शहर में पोस्टर चस्पा किए गए। इसमें लिखा है कि नवाबों के शहर में आपका स्वागत नहीं है। अभी ये स्पष्ट नहीं हो सका है कि उनका विरोध क्यों किया जा रहा है। लोकबंधु के बाद मोहनलालगंज, अवंती बाई महिला अस्पताल और गोमती नगर स्थित यूनिसेफ कार्यालय जाएंगी।

यूपी के कई जिलों में पीएफआई के ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

» संगठन पर पहले ही लग चुका है प्रतिबंध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को प्रदेश के कई जिलों में प्रतिबंधित संगठन पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापे मारे हैं। यह कार्रवाई लखनऊ, कानपुर, आजमगढ़ और सहारनपुर में की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि यह कार्रवाई प्रतिबंधित पीएफआई से जुड़े लोगों की गतिविधियों को देखते हुए की जा रही है। कुछ स्थानों पर एनआईए के साथ यूपी एटीएस को भी साथ में लेकर छापे मारे गए हैं।

खबर लिखे जाने तक एनआईए की ओर से कोई ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया गया है। इससे पहले भी एनआईए ने देश भर में पीएफआई के 100 से अधिक

स्थानों पर छापे मारकर बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लिया था। इसमें यूपी से 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया था जिनके खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई कर छोड़ दिया गया। इससे पहले यूपी, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, गुजरात और असम में भी एनआईए ने पीएफआई के केंद्रों पर छापेमारी की थी। छापेमारी में पीएफआई अध्यक्ष ओएमए सलमान, पी कोया, ई अबूबकर और बसीर समेत 106 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था।

कमजोर वर्ग के लिए खुलेंगे अब नए रास्ते : धर्मेंद्र प्रधान

» विपक्ष के मुंह पर तमाचा है ईडब्ल्यूएस आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को विपक्ष के मुंह पर तमाचा बताया। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण को बरकरार रख शीर्ष न्यायालय ने निहित स्वार्थों वाले दलों की मंशा पर पानी फेर दिया है। कल सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक ऐतिहासिक फैसले में, 3:2 के बहुमत से ईडब्ल्यूएस आरक्षण देने वाले 103वें संविधान संशोधन की वैधता को बरकरार रखा है।

मामले में कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा है, ईडब्ल्यूएस आरक्षण संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं करता है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि ईडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण को बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी निहित स्वार्थ वाले दलों के मुंह पर एक तमाचा है। जिन्होंने देशवासियों के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश की है। शिक्षा मंत्री प्रधान ने कहा कि ईडब्ल्यूएस के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण को संवैधानिक वैधता से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिये अवसरों के नये दरवाजे खुलेंगे। खासतौर पर उच्च शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले एवं सरकारी नौकरियों में। इससे सबका साथ और सबका विकास की भावना के साथ सामाजिक न्याय को मजबूती मिलेगी।

मनमोहन सरकार में शुरू हुई थी प्रक्रिया : जयराम

देश की सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की तारीफ की है। वहीं कांग्रेस ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करती है, जिसमें संविधान के 103वें संशोधन अधिनियम को बरकरार रखा गया है। जयराम ने कहा कि ये संशोधन 2005-06 में डॉ मनमोहन सिंह की सरकार द्वारा शुरू की गई प्रक्रिया का परिणाम है, जिसने जुलाई 2010 में अपनी रिपोर्ट पेश की थी। इसके बाद विचार-विमर्श किया गया और 2014 तक विधेयक तैयार हो गया। सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय बेंच ने 3-2 के अनुपात से अपना फैसला सुनाया है। जस्टिस दिनेश माहेश्वरी, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस जेबी पारदीवाला ने इसका समर्थन किया, जबकि जस्टिस एस रविंद्र भट और मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित ने इस मुद्दे पर असहमति जताई।

सपा के सामने अपनी पुरानी सीटों को बचाने की चुनौती : मायावती

» बसपा सुप्रीमो ने कहा, उपचुनाव में अब अपनी हार के लिए क्या बहाना बनाएगी सपा?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि खीरी के गोला गोकर्णनाथ विधानसभा उपचुनाव में अपनी हार पर अब सपा क्या बहाना बनाएगी? मायावती ने ट्वीट कर कहा कि इस विधानसभा सीट का उपचुनाव भाजपा की जीत से ज्यादा सपा की 34298 वोटों से करारी हार के लिए चर्चाओं में हैं। बीएसपी जब अधिकांश उपचुनाव नहीं लड़ती है और यहां भी चुनाव मैदान में नहीं थी तो अब सपा अपनी हार के लिए कौन सा नया बहाना बनाएगी।

अब अगले महीने मैनपुरी लोकसभा में, रामपुर विधानसभा के लिए उपचुनाव में आजमगढ़ की तरह ही सपा के सामने अपनी पुरानी सीटों को बचाने की चुनौती है। मायावती ने ट्वीट के जरिए कहा कि देखना होगा कि क्या सपा जीत पाएगी या फिर या वह भाजपा को हराने में सक्षम नहीं है, फिर यह साबित होगा। इस उपचुनाव में भाजपा की जीत से ज्यादा चर्चा समाजवादी पार्टी के हार की हो रही है। आजमगढ़ की तरह ही, सपा के सामने अब अपनी पुरानी सीटें मैनपुरी व रामपुर को बचाने की चुनौती है। देखना होगा कि क्या सपा ये सीटें भाजपा को हराकर पुन: जीत पाएगी या फिर वह भाजपा को हराने में सक्षम नहीं है? यह पुन: साबित होगा। वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद कुमार ने मायावती के इस बयान को लेकर कहा कि मायावती अपने बयान से ये कहना चाहती हैं कि बसपा पर समाजवादी पार्टी की तरफ से जो आरोप लगाए जाते थे, वो गलत हैं। बसपा और भाजपा में पर्दे के पीछे भी कोई गठजोड़ नहीं है। अगर ऐसा होता तो बसपा के चुनाव न लड़ने का फायदा जरूर समाजवादी पार्टी को मिल जाता। प्रमोद के अनुसार मायावती अपने बयान के जरिए यह संदेश देने की कोशिश कर रहीं हैं कि समाजवादी पार्टी भाजपा के खिलाफ लड़ने के लिए मजबूत नहीं है। केवल बसपा ही भाजपा के खिलाफ मजबूती से लड़ सकती है। बता दें कि लखीमपुर खीरी जिले में पड़ने वाले गोला गोकर्णनाथ विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अमन गिरी ने जीत हासिल की। रविवार को इसके नतीजे आए। 26 साल के अमन को कुल 1.24 लाख वोट मिले।

शत्रु संपत्तियों पर कब्जे के खिलाफ एक्शन मोड में सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। माफिया पर चाबुक चलाने के बाद उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अब शत्रु संपत्तियों पर अवैध कब्जा करके बैठे लोगों के खिलाफ बड़ा एक्शन लेने जा रही है। प्रदेश में ऐसा पहली बार होगा जब इन संपत्तियों से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रमुख सचिव स्तर का नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। प्रदेश में मौजूद कुल 5936 शत्रु संपत्तियों में से 1826 पर अवैध कब्जेदार कब्जा करके बैठे हैं।

» 1826 शत्रु संपत्तियों से हटेगा अतिक्रमण

एक बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यूपी में शत्रु संपत्तियों को लेकर पूर्ववर्ती सरकारों का रवैया हमेशा उदासीन रहा है। हजारों करोड़ रुपये की ऐसी संपत्तियां जिनसे प्रदेश सरकार को अरबों रुपये का राजस्व मिल सकता था, उनको मुक्त कराने के लिए पहले की सरकारों ने कुछ नहीं किया। इसी उदासीनता का नतीजा है कि अवैध कब्जेदार इन पर आज भी काबिज हैं और नये निर्माण भी कर चुके हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इन बेशकीमती संपत्तियों के महत्व को समझते हुए और प्रदेश के राजस्व को बढ़ाने के लिए ऐसे अवैध कब्जेदारों पर चाबुक चलाने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश भूलेख की वेबसाइट upbhulekh.gov.in को देखें तो 1467 शत्रु संपत्तियों पर माफिया और अवैध कब्जेदारों ने कब्जा कर रखा है, जबकि 369 पर सहकब्जेदारों का कब्जा है।

परिवर्तन चाहते हैं तो गुजरात में कांग्रेस को मौका दें : कन्हैया कुमार

» एक ही टीम का हिस्सा है भाजपा और आप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा है कि आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक ही टीम का हिस्सा हैं और दोनों एक दूसरे की नकल करते हैं। एक इंटरव्यू में कुमार ने यह भी कहा कि भाजपा एक वैचारिक पार्टी है और कांग्रेस ही नैसर्गिक विपक्ष है जो देश को वैकल्पिक विचारधारा देती है। कन्हैया ने कहा कि गुजरात में विधानसभा चुनाव के लिए 1 और 5 दिसंबर को वोटिंग होगी। कुमार ने कहा कहा कि देश में ऐसा माना जाता है कि गुजरात जो आज सोचता है, भारत उसे कल सोचता है।

उन्होंने कहा बहुत सी अच्छी चीजें यहां (गुजरात) से शुरू हुईं। हम उम्मीद करते हैं कि यहां से एक राजनीतिक संदेश जाएगा। यदि लोग भाजपा से खुश हैं तो उन्हें उसी को चुनने दें। लेकिन यदि लोग परिवर्तन चाहते हैं तो वे कांग्रेस को मौका देंगे, ऐसी मेरी उम्मीद है। 27 साल से भाजपा शासित राज्य में कांग्रेस के परिवर्तन संकल्प यात्रा में शामिल हो चुके जेएनयू के पूर्व छात्र नेता ने कहा कि गुजरात 2022 विधानसभा चुनाव में 'मील का पत्थर' वाला परिणाम दे सकता है। कन्हैया ने आम आदमी पार्टी को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ' 'बीजेपी ने 2017 में महसूस किया कि वह गुजरात में अगला चुनाव नहीं जीत पाएगी। इसलिए वह यहां 'आप' को लेकर आई। यहां 'ए' और 'बी' टीम का कोई सवाल नहीं है, भाजपा और 'आप' एक ही टीम है।

किसान विरोधी है नीतीश कुमार नहीं देते हैं सवालों के जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने कहा कि आप लोग पलटू नहीं, बल्कि पेटेलियन बनें। भागलपुर के रसीदपुर गांव में उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए नाम लिए बगैर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पलटू कह दिया और जमकर निशाना साधा। आरसीपी सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार किसान विरोधी हैं। उन्होंने लोगों से पूछा कि पहले किसानों के सम्मान में किसानश्री आदि योजनाएं चलाई जाती थी। लेकिन बिहार सरकार ने इसे बंद कर दिया। जब मैं जदयू का प्रधान महासचिव था, तो मैंने मुख्यमंत्री से पूछा था कि आखिर इन योजनाओं को क्यों बंद किया गया। मुख्यमंत्री ने इन सवालों के जवाब कभी नहीं दिए। उन्होंने लोगों से कहा कि अभी भी समय है लोग एकजुट हो जाएं क्योंकि पार्टियां आप को तोड़ने का काम करती हैं। जाति के नाम पर आपके साथ भेदभाव होता है उन्होंने कहा कि लगातार वह घूम घूम कर लोगों से राय ले रहे हैं जिसके बाद वह आगे की रणनीति पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आज गुजरात में विश्व की सबसे बड़ी पटेल की प्रतिमा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार यदि सरदार पटेल का सम्मान करते हैं, तो बिहार में 243 मीटर के सरदार की प्रतिमा क्यों नहीं बनवाते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी ने इस दौरान विभिन्न पंचायतों का दौरा किया और लोगों से जनसंपर्क किया।

मैनपुरी लोकसभा सीट पर 'मुलायम की यादों' का चुनाव

» 26 सालों से है सपा का कब्जा, कोई अन्य दल नहीं जीत पाया चुनाव

» विरोधी दल नेताजी के गढ़ में सेंध लगाने की करेंगे पूरी कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा सीट पर उपचुनाव का शंखनाद हो गया है। भाजपा जहां पार्टी की नीतियों और सरकार की योजनाओं के दम पर मैदान में उतरने को तैयार है। वहीं सपा इन सबसे इतर मैनपुरी में मुलायम सिंह की यादों का चुनाव लड़ेगी। नेताजी (मुलायम सिंह यादव) के निधन को ज्यादा वक्त नहीं हुआ है, ऐसे में उनकी यादें सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ ही आमजन के दिलों में जिंदा हैं। सपा जनता की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश में रहेगी। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव का 10 अक्टूबर को निधन हो गया था। वह मैनपुरी लोकसभा सीट से सांसद थे। इसी कारण अब इस सीट पर पांच दिसंबर को मतदान होगा। चार अक्तूबर 1992 को नेताजी ने समाजवादी पार्टी का गठन किया और वर्ष 1996 का पहला लोकसभा चुनाव लड़ा।

सपा के गठन के बाद से इस सीट पर अन्य किसी दल को जीत नहीं मिली। इसीलिए मैनपुरी को सपा का गढ़ कहा जाता है। हर दल ने सपा के गढ़ को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सफलता किसी के हाथ नहीं लगी। अब नेताजी नहीं हैं, उनके बिना ही, उनकी कर्मभूमि पर चुनाव होगा। विरोधी दल नेताजी के गढ़ में सेंध लगाने की पूरी कोशिश करेंगे। वहीं सपा भी नेताजी की विरासत वाली सीट पर जीत दर्ज करने के लिए मैदान में उतरेगी। समाजवादी पार्टी मतदाताओं की सहानुभूति नेताजी की यादों के सहारे इस चुनाव में हासिल करने की पूरी कोशिश करेगी। सपा के गठन के बाद से अब तक मैनपुरी लोकसभा सीट पर कुल नौ लोकसभा चुनाव हुए। प्रत्याशी कोई भी रहा हो, पर्दे के पीछे हमेशा नेताजी ही रहे। हर चुनाव में उनका जादू चला। उनके जादू के दम पर ही सपा कभी भी लोकसभा चुनाव नहीं हारी। हर चुनाव में पार्टी प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। नेताजी मुलायम सिंह यादव अपने जीवन में सात बार सांसद चुने गए। मैनपुरी से उन्होंने पांच लोकसभा चुनाव लड़े और हर चुनाव को जीता। मैनपुरी के मतदाताओं ने अपने नेता को पांच बार संसद पहुंचाया। धरतीपुत्र की धरती पर सपा प्रत्याशियों ने हर बार बड़े अंतर से जीत दर्ज की।

तेज प्रताप की चल रही है चर्चा

मैनपुरी के लोगों के बीच तेज प्रताप की चर्चा चल रही है। वह मुलायम सिंह के बड़े भाई के पोते और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के दामाद हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि तेज प्रताप के जरिए अखिलेश यादव लालू परिवार को भी खुश कर सकते हैं। लेकिन, इसके लिए उन्हें शिवपाल सिंह यादव को मनाना पड़ेगा। उधर, रामपुर सीट को लेकर पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि आजम खां की सहमति के आधार पर ही उम्मीदवार उतारा जाएगा। जिस तरह के हालात हैं, ऐसे में संभव है कि आजम के परिवार का कोई सदस्य आगे न आए। लेकिन, आजम के नजदीकी लोगों में कई नाम सुर्खियों में हैं।

अब तक चुने गए सांसद

1952	बादशाह गुप्ता	-	कांग्रेस
1957	वंशीदास धनगर	-	प्रसोपा
1962	बादशाह गुप्ता	-	कांग्रेस
1967	महाराज सिंह	-	कांग्रेस
1971	महाराज सिंह	-	कांग्रेस
1977	रघुनाथ सिंह वर्मा	-	लोकदल
1980	रघुनाथ सिंह वर्मा	-	जनता पार्टी
1984	बलराम सिंह यादव	-	कांग्रेस
1989	उदयप्रताप सिंह यादव	-	जनता दल
1991	उदयप्रताप सिंह यादव	-	सजपा
1996	मुलायम सिंह यादव	-	सपा
1998	बलराम सिंह यादव	-	सपा
1999	बलराम सिंह यादव	-	सपा
2004	मुलायम सिंह यादव	-	सपा
2004	धर्मेंद्र यादव- उपचुनाव	-	सपा
2009	मुलायम सिंह यादव	-	सपा
2014	मुलायम सिंह यादव	-	सपा
2014	तेजप्रताप यादव - उपचुनाव	-	सपा
2019	मुलायम सिंह यादव	-	सपा

अखिलेश के लिए अग्निपरीक्षा है मैनपुरी का चुनाव

सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की अनुपस्थिति में हो रहा पहला लोकसभा उप चुनाव अखिलेश यादव के लिए अग्नि परीक्षा है। ऐसे में वह फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं। दोनों लोकसभा क्षेत्र में सियासी समीकरण पर निरंतर मंथन हो रहा है। लखनऊ से लेकर सैफई तक सियासी हलचल है। मैनपुरी में परिवार के कई सदस्यों के नाम पर चर्चा है तो रामपुर में आजम खां की तरफ निगाह लगी हुई है। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र में उपचुनाव हो रहा है। इस सीट पर 1996 से सपा का एकछत्र राज रहा है। सपा के लिए घर की सीट मानी जाने वाली मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से मुलायम सिंह ने इस्तीफा दिया तो यहां से धर्मेंद्र यादव और फिर तेज प्रताप सांसद बने। फिर 2019 में खुद सांसद रहे। अब उनके निधन के बाद पार्टी के सामने इस सीट को बचाए रखने की चुनौती है। यहां से परिवार के कई सदस्यों का नाम चर्चा में हैं।

योगी के नेतृत्व में उप चुनाव फिर बड़ी जीत

» गोला गोकर्णनाथ में जीत को प्रतिष्ठा का सवाल बनाकर लड़ी भाजपा

» उप चुनाव में प्रत्याशी चयन से लेकर बूथ प्रबंधन की रणनीति रही सफल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर के गोला गोकर्णनाथ विधानसभा उप चुनाव में जीत को भाजपा ने प्रतिष्ठा का सवाल बनाकर चुनाव लड़ा। उप चुनाव में प्रत्याशी चयन से लेकर बूथ प्रबंधन की रणनीति सफल साबित हुई। उप चुनाव में पार्टी प्रत्याशी अमन गिरी की जीत के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के नेतृत्व में जीत का सिलसिला जारी रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोला में अमन गिरी के समर्थन में चुनावी सभाएं करने के साथ प्रतिदिन चुनाव पर नजर रखी। पार्टी के फीडबैक के अनुसार हर समस्या का समाधान किया।

इतना ही नहीं, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सहित सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों को चुनाव प्रचार में उतारा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह की नियुक्ति के बाद यह पहला चुनाव था। लिहाजा दोनों नेताओं ने इस चुनाव को एक 'परीक्षा' के तौर पर लिया और इस चुनाव को फतह करने के लिए उसी तरह की रणनीति पर काम किया। चौधरी ने जहां खुद गोला में डेरा जमाकर चुनाव की बागडोर संभाली। वहीं धर्मपाल ने तय रणनीति के अनुसार चुनाव से लेकर बूथ प्रबंधन को धरातल पर उतारा। पार्टी के प्रदेश और क्षेत्र पदाधिकारियों को न केवल घर घर संपर्क के लिए लगाया बल्कि बूथ के एक एक मतदाता से संपर्क की जिम्मेदारी सौंपी। पन्ना प्रमुख के बाद पांच सदस्यीय पन्ना समिति का प्रयोग भी किया। उपचुनाव में बहुत ही सूक्ष्म स्तर तक प्रवास किए गए। समाज विशेष से जुड़े मोहल्लों में उन्ही की जाति के नेताओं को प्रचार के लिए तैनात किया गया। योगी सरकार के मंत्रियों को बूथ स्तर तक प्रवास कराया गया। उप चुनाव के लिए यूं तो टिकट के लिए कई दावेदार थे लेकिन भाजपा ने दिवंगत विधायक अरविंद गिरी के समाज के वोट बैंक को साधने के साथ समर्थकों और मतदाताओं की सांत्वना वोट हासिल करने के लिए उनके बेटे अमन गिरी को ही प्रत्याशी बनाया। पार्टी ने स्थानीय लोगों की भावना को भांप कर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को न तो स्टार प्रचारक की सूची में शामिल किया न ही उन्हें प्रचार के लिए बुलाया। ब्राह्मण वोट बैंक को साधने के लिए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, सांसद सुब्रत पाठक सहित अन्य ब्राम्हण नेताओं को वहां तैनात किया।

मैनपुरी और रामपुर में भी सपा की साइकिल होगी पंचर

पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी का कहना है कि गोला की जनता ने सरकार की उपलब्धि और संगठन की नीति पर मुहर लगाई है। उनका कहना है कि 8 दिसंबर को मैनपुरी और रामपुर में सपा की साइकिल पंचर कर भाजपा कमल खिलाएगी। उप चुनाव की शानदार जीत इबल इंजन की भाजपा सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों के प्रति अटूट जन विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने उप चुनाव में जीत के लिए सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं एवं सम्मानित मतदाताओं को बधाई देते हुए आभार जताया है।

बढ़ने के बजाए घट गया बीजेपी का वोट

लखीमपुर खीरी जिले के गोला गोकर्णनाथ विधानसभा उपचुनाव में भी भाजपा ने सपा को पटखनी दे दी है। इससे पहले भी यह सीट भाजपा ने ही जीती थी। मतगणना के बाद चुनाव के जो नतीजे सामने आए हैं उनके मुताबिक जीत या हार तो अपनी जगह पर है लेकिन अगर पिछले चुनाव की बात करें तो दोनों दलों के वोट घट गए हैं। हालांकि दोनों दलों का वोट प्रतिशत बढ़ा है। इसकी वजह इस बार मतदान का कम होना है। पिछली बार जहां 259993 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। वहीं इस बार 3 नवम्बर को हुई वोटिंग में 223352 वोटरों ने अपना वोट डाला। माना जा रहा है कि कांग्रेस और बसपा के मैदान में न होने की वजह से उसके मतदाता नहीं निकले, वहीं सपा के वोटरों में भी मतदान को लेकर कोई उत्साह नहीं था। लिहाजा जहां पिछली बार सपा को 97240 वोट मिले थे वहीं इस बार 90512 वोट ही मिले। पिछले चुनाव में बसपा को 26970 वोट मिले है तो वहीं कांग्रेस को 3513 वोट। भाजपा को मुख्य चुनाव को एक लाख 26 हजार वोट मिले थे। इस बार भाजपा को एक लाख 24 हजार 810 वोट मिले हैं। वोट प्रतिशत की बात करें तो पिछली बार भाजपा को करीब 49 प्रतिशत वोट मिला था, इस बार ये आंकड़ा करीब 55 प्रतिशत से ज्यादा है। सपा प्रत्याशी को पिछली बार 37 प्रतिशत वोट मिला था, इस बार ये आंकड़ा करीब 40 प्रतिशत तक पहुंचा गया। भाजपा को इस बार 1190 वोट कम मिले हैं, हालांकि ये अंतर भाजपा के लिए बहुत ज्यादा मायने नहीं रखता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

गुजरात में भाजपा की राह इस बार कठिन

यह गुजरात मैंने बनाया। पीएम मोदी के इस नारे के बाद गुजरात में सियासत तेज हो गई है कि भाजपा यह चुनाव भी जीत लेगी। गुजरात में आप की इंट्री से कांग्रेस का मनोबल ऊंचा हुआ है तो वहीं भाजपा घबराई हुई है। थोड़ा पीछे चलते हैं, साल 1995 से ही भाजपा वोटों की दौड़ में आगे रही है और वह लगातार मजबूती से चुनाव जीतती रही है। हर बार 182 विधानसभा सीटों में से 100 से ज्यादा सीटें उसके खाते में गई हैं। पिछला 2017 का चुनाव बेशक अपवाद था, जिसमें वह सीटों का सैकड़ा पूरा करने में चूक गई, लेकिन वोट प्रतिशत के लिहाज से पूर्व की तरह कांग्रेस और उसमें बड़ा फासला (छह प्रतिशत से अधिक) रहा। दोनों दलों के बीच हर बार वोट प्रतिशत में नौ से 11 अंकों का अंतर रहा है। फिर भी, कांग्रेस यहां सफल प्रतिद्वंद्वी रही है, क्योंकि किसी तीसरे मजबूत दल का यहां अभाव रहा है। मगर इस बार उसकी राह कुछ ज्यादा कठिन जान पड़ती है, क्योंकि आम आदमी पार्टी ने यहां सफल दस्तक दी है। आप नेता अरविंद केजरीवाल कई महीनों से यहां प्रचार कर रहे हैं, जिसका असर भी दिखने लगा है। गुजरात की जनता से बात करने पर यह महसूस होता है कि आप ने उनके बीच एक पहचान बनाई है। साफ है, आप यहां चर्चा में है, लेकिन वह लोगों का कितना भरोसा जीत पाएगी, यह फिलहाल कह पाना मुश्किल है।

यहां के पिछले उप-चुनाव भी त्रिकोणीय संघर्ष के संकेत दे रहे हैं। मगर इस संघर्ष में एक तरफ भाजपा है, तो दूसरी तरफ आप और कांग्रेस। मौजूदा स्थिति यही तस्दीक करती है कि यहां भाजपा व दूसरी पार्टियों के बीच ठीक-ठाक फासला है। यहां के मतदाता भाजपा, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित हैं। हां, स्थानीय निकाय के चुनावों में, खासकर सूरत के इलाकों में आम आदमी पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे उसे नई ऊर्जा मिली है, मगर यह जोश जीत में कितना बदल पाएगा, यह अभी दावे के साथ नहीं कहा जा सकता। कांग्रेस के लिए यहां दोतरफा जंग है। एक तरफ उसे भाजपा से लड़ना है, तो दूसरी तरफ, आप से मिल रही चुनौतियों से पार पाना होगा। अमित शाह व अरविंद केजरीवाल जैसे नेता लगातार सक्रिय हैं, वहीं मतदाता कांग्रेस के पास ढंग का नेतृत्व न होने की बात कह रहे हैं। किसी दौर में बेशक कांग्रेस यहां मजबूत दल हुआ करती थी, लेकिन अब वह काफी कमजोर लग रही है। वह घर-घर जाकर अभियान चलाने का दावा जरूर कर रही है, लेकिन इसका असर शायद ही दिख रहा है। उसकी मुश्किल यह भी है कि आप जितना ऊपर उठेगी, कांग्रेस उतना नीचे की तरफ जाएगी। दिल्ली और पंजाब में आप ने कांग्रेस का आधार अपनी ओर खिसकाकर ही सरकार बनाई है, और गुजरात भी इसका अपवाद नहीं दिख रहा। यहां इस त्रिकोणीय संघर्ष के कारण भी भाजपा खुद को मजबूत मान रही है।

“ साल 1995 से ही भाजपा वोटों की दौड़ में आगे रही है और वह लगातार मजबूती से चुनाव जीतती रही है। हर बार 182 विधानसभा सीटों में से 100 से ज्यादा सीटें उसके खाते में गई हैं। पिछला 2017 का चुनाव बेशक अपवाद था, जिसमें वह सीटों का सैकड़ा पूरा करने में चूक गई, लेकिन वोट प्रतिशत के लिहाज से पूर्व की तरह कांग्रेस और उसमें बड़ा फासला रहा। दोनों दलों के बीच हर बार वोट प्रतिशत में नौ से 11 अंकों का अंतर रहा है। फिर भी, कांग्रेस यहां सफल प्रतिद्वंद्वी रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

क्षमता निर्माण हो हमारी प्राथमिकता

वरूण गांधी

बीते तीन वर्षों में केंद्र सरकार की योजनाओं में से आधे से ज्यादा को या तो बंद कर दिया गया है या फिर उन्हें अन्य योजनाओं में शामिल कर लिया गया है। फरवरी, 2022 तक केंद्र सरकार की 130 योजनाओं में से 65 में सुधार या पुनर्निर्धारण किया गया और उनमें पांच अतिरिक्त योजनाएं जोड़ी गई हैं। सभी मंत्रालयों में इसका अलग-अलग असर पड़ रहा है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की 19 योजनाओं में से महज तीन बची हैं- मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य और सक्षम आंगनवाड़ी/पोषण 2.0। ऐसे ही पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने 12 योजनाओं को घटाकर सिर्फ दो कर दिया है। इसके अलावा मंत्रालय ने सहकारिता के जरिये डेयरी, राष्ट्रीय डेयरी योजना-II सरीखी तीन योजनाएं बंद कर दी है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने अपनी योजनाओं को 20 से घटाकर तीन कर दिया है, जबकि जैविक खेती की राष्ट्रीय परियोजना या राष्ट्रीय कृषि वानिकी परियोजना के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। क्या इससे बेटर गवर्नेंस के बजाय लेस गवर्नेंस की स्थिति नहीं जाहिर होती? जिन योजनाओं का अस्तित्व बरकरार भी है, उनके आगे फंड की कटौती और राशि के सदुपयोग जैसी चुनौतियां हैं। जून, 2022 तक केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के लिए 1.2 लाख करोड़ रुपये बैंक में पड़े हुए थे। सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा में सुधार और आर्थिक-सामाजिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए परियोजनाओं के वित्तपोषण पर ध्यान देने के साथ निर्भया कोष 2013 में शुरू किया गया था। 2013 और 2016 के बीच सालाना 1,000 करोड़ का आवंटन किया गया, इसमें से ज्यादातर पैसे का कोई इस्तेमाल नहीं हुआ।

निर्भया फंड को वित्त वर्ष 2021-22 तक 6,214 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, पर वास्तव में केवल 4,138 करोड़ रुपये ही वितरित किए गए और उसमें से मात्र 2,922 करोड़ रुपये का उपयोग हुआ। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को 660 करोड़ रुपये का वितरण किया गया, पर जुलाई, 2021 तक मात्र 181 करोड़ रुपये का उपयोग किया जा सका। राज्यों में विभिन्न प्रकार की महिला केंद्रित विकास योजनाओं को दरकिनार या बंद किया जा रहा है। जबकि सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को लगातार जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों को भी नहीं बख्शा गया है। उर्वरक सब्सिडी में पिछले कुछ वर्षों में लगातार गिरावट आई है। वित्त वर्ष 2020-21 में उर्वरकों पर वास्तविक सरकारी खर्च 1,27,921

करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में आवंटन 79,529 करोड़ रुपये था, जिसे बाद में महामारी के कारण संशोधित कर 1,40,122 करोड़ रुपये कर दिया गया। वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में आवंटन 1,05,222 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2011-22 में संशोधित अनुमानों की तुलना में एनपीके उर्वरकों का आवंटन 35 फीसदी कम था।

कटौती तब हुई है, जब यूक्रेन युद्ध से उर्वरक की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। इससे उर्वरक की कमी हुई और किसानों का विरोध बढ़ा। ग्रामीण गरीबों की भी उपेक्षा हुई है। इस साल मनरेगा का आवंटन 25 फीसदी घटाकर 73,000 करोड़ रुपये रखा गया। इस बीच, आर्थिक सर्वेक्षण से पता चला कि इस योजना की मांग महामारी से पहले की तुलना में अधिक थी, क्योंकि ग्रामीण संकट जारी था। अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि मनरेगा के लिए वास्तविक धन वितरण में अक्सर देरी हुई है, जिससे योजना के प्रति विश्वास डिगा है। ग्रामीण गरीबों को तत्काल रोजगार और आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए गरीब कल्याण रोजगार अभियान 20 जून, 2020 को 125 दिनों की अवधि के लिए शुरू किया गया था। इसके तहत 39,293 करोड़ रुपये के कुल खर्च पर रोजगार प्रदान किया गया। अलबत्ता इसके लिए 50,000 करोड़ रुपये का घोषित बजट था। अनौपचारिक नौकरियों की तलाश करने वाले छह से 10 करोड़ प्रवासी श्रमिकों के लिए ऐसी योजना पर्याप्त नहीं थी। लिहाजा ऐसी योजना का विस्तार किया जाना चाहिए था। हम उन लाखों लोगों के लिए रोजगार कैसे बढ़ाएंगे, जिन्हें कारखानों और सेवा क्षेत्र में नियोजित नहीं किया जा सकता? कोविड-19 महामारी के दौरान उनके योगदान को महत्व देते हुए उन्हें ईएसआईसी और ईपीएफ लाभ दिया जाना चाहिए। इस दौरान जैव विविधता की भी गंभीर अनदेखी की गई है। कूनो में चीतों के आने को छोड़ दें, तो पर्यावरण मंत्रालय के तहत वन्यजीव आवास के विकास के लिए वित्त पोषण में पिछले कुछ वर्षों में काफी कटौती की गई है। इसे 2018-19 में 165 करोड़ रुपये से घटाकर 2019-20 में 124.5 करोड़ रुपये और 2020-21 में 87.6 करोड़ रुपये कर दिया गया। प्रोजेक्ट टाइगर के लिए भी आवंटन 2018-19 में 323 करोड़ रुपये से घटाकर वित्त वर्ष 2020-21 में 194.5 करोड़ रुपये कर दिया गया।

महिला अस्मिता के लिए कुप्रथाओं पर रोक के पुरजोर प्रयास करने ही होंगे

तस्लीमा नसरीन

लोकतांत्रिक चेतना और सामाजिक विकास के मामले में भारत हमेशा पाकिस्तान और बांग्लादेश की तुलना में आगे रहा है। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से कुछ जरूरी कदम भारत से पहले ही इन दो देशों में उठा लिए गए। जैसे कि तीन तलाक की कुप्रथा। अफगानिस्तान, ट्यूनीशिया, अल्जीरिया, मलेशिया, जॉर्डन, मिस्र, ईरान, इराक, इंडोनेशिया, लीबिया, सूडान, सऊदी अरब, मोरक्को और कुवैत जैसे देशों में भारत से पहले ही तीन तलाक की कुप्रथा पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इसी तरह कौमार्य परीक्षण पर भी अनेक देशों में प्रतिबंध है। पाकिस्तान और बांग्लादेश में भी इस पर रोक है। भारत में सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में इस पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। देर से यह कदम उठाने के बावजूद सर्वोच्च न्यायालय धन्यवाद का हकदार है। उसने ठीक ही यह कहा है कि यौन उत्पीड़न के मामले में पीड़िता का टू फिंगर टेस्ट कराने वाला भी कदाचार का दोषी माना जाएगा। अदालत ने माना है कि यह टेस्ट एक गलत धारणा पर आधारित है कि यौन रूप से सक्रिय महिला का बलात्कार नहीं हो सकता। सच्चाई इससे कुछ अलग भी हो सकती है, और किसी महिला का यौन इतिहास जानना महत्वहीन है। कौमार्य परीक्षण एक अर्थ में यौन हिंसा ही है। प्राचीन काल से ही पुरुष वर्चस्ववादी समाज में कौमार्य परीक्षण की परंपरा रही है। इसके तहत नवविवाहिता वधू के कौमार्य परीक्षण की व्यवस्था हमारे समाज में रही है। चूंकि डॉक्टर दो उंगलियों से इसका परीक्षण करते हैं, इसलिए इसका नाम टू फिंगर टेस्ट है। किसी के साथ बलात्कार हुआ है या नहीं, इसकी जांच के लिए भी टू फिंगर टेस्ट किया जाता है। इसमें डॉक्टर इसका पता लगाते हैं कि पीड़िता की योनि की झिल्ली अक्षत है या नहीं। अगर वह अक्षत है, तो बलात्कार नहीं हुआ, अगर अक्षत नहीं है, तो इसका मतलब यह है कि बलात्कार हुआ है। इस परीक्षण में डॉक्टर योनि का परीक्षण भी करते हैं। जांच के ये तमाम तरीके वस्तुत: पुरुषवर्चस्ववादी सोच के बारे में ही बताते हैं। मसलन, अगर टू फिंगर टेस्ट में डॉक्टर पाते हैं कि शिकायत दर्ज करने वाली महिला शारीरिक संपर्क की अभ्यस्त है, तो फिर उसकी शिकायत को बहुत गंभीरता से नहीं लिया जाता। इसी तरह टू फिंगर टेस्ट में अगर बलात्कार की पुष्टि होती है, तो ऐसे मामलों में कई बार लड़कियों के चरित्र की तहकीकात की जाती है। इन्हें पुरुषवर्चस्ववादी सोच के सिवा भला और क्या कहें। गौर करने वाली बात यह है कि बलात्कार की परिभाषा अब बदल गई है। इसकी परिभाषा अब ज्यादा व्यापक है। उदाहरण के लिए ताकत के बल पर किसी को नग्न करना और उसे अपने या किसी दूसरे का जननांग स्पर्श करने के लिए बाध्य करना भी बलात्कार के दायरे में आता है। अक्षतयोनि लड़कियां भी बलात्कार की शिकार हो सकती हैं। ऐसे ही किसी पुरुष के शारीरिक संपर्क के बगैर भी कोई लड़की कौमार्य परीक्षण में फेल हो सकती है। इस तरह देखें, तो आधुनिक समाज में टू फिंगर टेस्ट का अनौचित्य, इसकी अनैतिकता और अवैज्ञानिकता बार-बार प्रमाणित हुई है। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि एक बार पुरुष का शिकार होने के बाद टू फिंगर टेस्ट में उसे फिर डॉक्टर का शिकार होना पड़ता है। सवाल यह है कि ऐसी लड़कियों के प्रति हमारे समाज में घृणा और हिकारत की भावना ही क्यों पनपती है। ऐसा क्यों मान लिया जाता है कि इनकी जिंदगी अब खत्म और व्यर्थ हो गई है? लड़कियों और महिलाओं को यौन अत्याचार के क्रूर अनुभवों से गुजरना पड़ता है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? हमारा समाज, हमारी पुलिस व्यवस्था और हमारी पुरुषवर्चस्ववादी सोच। वस्तुत: ऐसी लड़कियां घृणा की नहीं, संवेदना की हकदार हैं। बलात्कार से लड़कियों और स्त्रियों का जीवन खत्म नहीं हो जाना चाहिए, बल्कि समाज की तरफ से ऐसी कोशिश होनी चाहिए कि वे सिर उठाकर जीने और जीवन में कुछ सार्थक कर पाने का आत्मविश्वास हासिल कर पाएं। लेकिन एक यंत्रणा के बाद उन्हें कौमार्य परीक्षण की दूसरी यंत्रणा से गुजरना पड़ता है। मिस्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक में जब लोगों ने लोकतंत्र के लिए आंदोलन शुरू किया था, तब सेना के जवानों ने कुछ आंदोलनकारी लड़कियों को जबरन उठवाकर उनका कौमार्य परीक्षण करवाया था।

इससे यह पता चलता है कि कौमार्य परीक्षण स्त्रियों को प्रताड़ित करने का भी औजार है। मुझे हैरानी होती है कि इस 21वीं सदी में भी कौमार्य परीक्षण की यह परंपरा दुनिया के अनेक देशों में कायम है। मध्यकाल में यूरोप के योद्धा जब लड़ाई लड़ने दूर जाते थे, तब अपनी स्त्रियों की कमर में वे लोहे की एक बेड़ी लगाकर जाते थे, जिससे कि उनका किसी दूसरे पुरुष से शारीरिक संपर्क न हो पाए। सिर्फ पति के आदेश से नहीं, बल्कि समाज के निर्देश पर भी अक्सर महिलाओं की कमर में वे बेड़ियां लगाई जाती थीं। लेकिन बाहर जाते पुरुषों को ये बेड़ियां नहीं लगाई जाती थीं। उनके स्वच्छंद आचरण में किसी तरह की कोई बाधा नहीं थी। इटली के अलावा चीन में महिलाओं की कमर में बेड़ी लगाने के मध्यकालीन उदाहरण मिलते हैं। यह जानकर हैरानी होगी कि बीती सदी के 70 के दशक में इंग्लैंड में कौमार्य परीक्षण की वापसी हुई थी। दरअसल, तब दूसरे देशों की जो भी कुंवारी लड़कियां इंग्लैंड में बसने के लिए आती थीं, उन लड़कियों का कौमार्य परीक्षण (वर्जिनिटी टेस्ट) किया जाता था। अमेरिका में भी बीच बीच में कौमार्य परीक्षण की बर्बरता से लड़कियों को गुजरना पड़ता है।

हीमोग्लोबिन बढ़ाने के साथ पेट, आंखों और त्वचा के लिए फायदेमंद है

चुकंदर और गाजर के जूस

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए सभी लोगों को नियमित रूप से पौष्टिक चीजों का सेवन करते रहना चाहिए। विशेषरूप से सुबह का पहला आहार सबसे पौष्टिक होना चाहिए। सुबह के समय शरीर का मेटाबॉलिज्म दर सबसे अच्छा होता है, ऐसे में इस समय मौसमी फलों-सब्जियों के सेवन की सलाह दी जाती है। सुबह के नाश्ते में फलों-सब्जियों के जूस का सेवन करके शरीर को कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। आहार विशेषज्ञ बताते हैं, इस मौसम में चुकंदर और गाजर के जूस का सेवन करना बहुत फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद तमाम प्रकार के पोषक तत्व हीमोग्लोबिन बढ़ाने के साथ पेट, आंखों और त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद हो सकते हैं। गाजर चुकंदर के जूस में उच्च मात्रा में आवश्यक बायोएक्टिव यौगिक पाए जाते हैं, जो इसे आपके दिन की शुरुआत करने के लिए एक उत्कृष्ट पेय बनाता है। इस जूस में एंथोसायनिन, कैरोटीनॉयड, विटामिन-सी, एंटीऑक्सिडेंट, बीटानिन और फिनोल जैसे बायोएक्टिव तत्व होते हैं, इनकी शरीर को बेहतर ढंग से काम करते रहने के लिए विशेष आवश्यकता होती है। आइए जानते हैं कि नियमित रूप से इस पेय के सेवन से किस प्रकार के स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं?

पाचन स्वास्थ्य को मिलता है विशेष लाभ

चुकंदर और गाजर के जूस को मेटाबॉलिक सिस्टम के लिए काफी लाभकारी माना जाता है, यह पेट की दिक्कतों को कम करने के साथ पाचन को बढ़ाने और कब्ज से राहत दिलाने में मदद करता है। इन सब्जियों में मौजूद फाइटो-न्यूट्रिएंट्स और फाइबर की मात्रा आंतों के लिए विशेष लाभकारी मानी जाती है। इस जूस से शरीर के लिए आवश्यक अधिकतर पोषक तत्वों की आसानी से प्राप्ति की जा सकती है।

आंखों की दूर होती हैं बीमारियां

चुकंदर और गाजर के जूस का सेवन करना आपकी आंखों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। गाजर में मौजूद विटामिन-ए आंखों की मांसपेशियों को मजबूत करने के साथ रोशनी को तेज करने और आंखों की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मददगार है। आमतौर पर स्क्रीन के लंबे समय तक संपर्क के कारण लोगों में ड्राई आइज की समस्या काफी बढ़ती जा रही है, ऐसे में इस जूस का सेवन आपके लिए लाभकारी हो सकता है।

शरीर से दूर होती है विषाक्तता

चुकंदर और गाजर के जूस का सेवन शरीर के डिटॉक्सिनेशन के लिए प्रभावी माना जाता है। शरीर से अवशिष्ट उत्पादों को बाहर करने के साथ खून की मात्रा को बढ़ाने के लिए भी इस पेय से लाभ पाया जा सकता है। जिन लोगों को हीमोग्लोबिन की कमी की समस्या होती है, उनके लिए भी इस जूस को विशेषज्ञ काफी फायदेमंद मानते हैं। चुंकदर से भरपूर मात्रा में आयरन और विटामिन-बी प्राप्त किया जा सकता है।

अन्य फायदे

चुकंदर-गाजर के जूस के नियमित सेवन की आदत शरीर के लिए अन्य कई प्रकार से भी लाभकारी हो सकती है।

गाजर चुकंदर के जूस में एंटीऑक्सिडेंट और फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित बनाए रखने में मदद करते हैं।

गाजर चुकंदर के जूस में कैंसर रोधी प्रभाव वाले पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। ये कैंसर कोशिकाओं के विकास को कम करने में सहायक हैं।

चुकंदर-गाजर का रस त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन-सी होता है जो त्वचा की रंगत में सुधार करने में सहायक है। बालों की समस्याओं को दूर करने के लिए रोजाना इस जूस को पीने के फायदे हो सकते हैं। इसमें महत्वपूर्ण विटामिन्स भी होते हैं जो बालों के विकास के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

कहानी — गलत सलाहकार

जरूरी नहीं है कि शिक्षित व्यक्ति सही फैसला करे आईये इस कहानी के माध्यम से इस बात को समझते है। एक आदमी सड़क के किनारे समोसा बेचा करता था। अनपढ़ होने की वजह से वह अखबार नहीं पढ़ता था। ऊँचा सुनने की वजह से रेडियो नहीं सुनता था और आँखे कमजोर होने की वजह से उसने कभी टेलीविजन भी नहीं देखा था। इसके बाबजूद वह काफी समोसे बेच लेता था उसकी बिक्री और नफे में लगातार बढ़ोतरी होती गई। उसने और ज्यादा आलू खरीदना शुरू किया, साथ ही पहले वाले चूल्हे से बड़ा और बढ़िया चूल्हा खरीद कर ले आया। उसका व्यापार लगातार बढ़ रहा था, तभी हाल ही में कॉलेज से बी. ए. की डिग्री हासिल कर चुका उसका बेटा पिता का हाथ बँटाने के लिए चला आया। उसके बाद एक अजीबोगरीब घटना घटी। बेटे ने उस आदमी से पूछा, पिताजी क्या आपको मालूम है कि हमलोग एक बड़ी मंदी का शिकार बनने वाले हैं? पिता ने जवाब दिया, नहीं, लेकिन मुझे उसके बारे में बताओ। बेटे ने कहा-अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियाँ बड़ी गंभीर हैं। घरेलू हालात तो और भी बुरे हैं। हमे आने वाले बुरे हालत का सामना करने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। उस आदमी ने सोचा कि बेटा कॉलेज जा चुका है, अखबार पड़ता है, और रेडियो सुनता है, इसलिए उसकी राय को हल्के ढंग से नहीं लेना चाहिए। दूसरे दिन से उसने आलू की खरीद कम कर दी और अपना साइन बोर्ड नीचे उतार दिया। उसका जोश खत्म हो चुका था। जल्दी ही उसी दुकान पर आने वालों की तादाद घटने लगी और उसकी बिक्री तेजी से गिरने लगी। पिता ने बेटे से कहा, तुम सही कह रहे थे। हमलोग मंदी के दौर से गुजर रहे हैं। मुझे खुशी है कि तुमने वक्त से पहले ही सचेत कर दिया।

सीख: इस कहानी से हमे ये सीख मिलती है कि अपने सलाहकार सावधानी से चुनिए, लेकिन अमल अपने ही फैसला पर करिए।

हंसना मना है

पती- ये क्या तुम एक और सूट ले आई? अभी परसों ही तो...पत्नी- क्या कहा तुमने??? बोलो अभी चुप क्यों हो गये? पती- किछ नहीं मैं बस ये कह रहा था के, परसों भी एक ही सूट लाई थी आज तो 2 ले आती।

भारत में लोग हेलमेट नहीं पहनेंगे, पर फोन कवर और स्क्रीन गार्ड जरूर लगाएगे अपना चाहे सर फूट जाये पर मोबाइल को कुछ नहीं होना चाहिए

गर्लफ्रेंड: क्या तुम मुझसे प्यार करते हो...?

बॉयफ्रेंड: हां...! गर्लफेंड लेकिन तुम्हें तो मेरी कोई परवाह ही नहीं है...! बॉयफ्रेंड: प्यार करने वाले किसी की परवाह नहीं करते...!

एक औरत ने पंडित जी से घर की खुशहाली का उपाय पूछा ... पंडित जी: बेटी पहली रोटी गाय को खिलाया करो और आखिरी रोटी कुत्ते को,औरत: पंडित जी मैं ऐसा ही करती हूं... पहली रोटी खुद खाती हूं ...और ...आखिरी रोटी अपने पति को खिलाती हूं... पंडित बेहोश...

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मनोरंजन और ऐशोआराम के साधनों पर जरूरत से ज्यादा खर्च न करें। कोई ऐसा इंसान जिसके मन में आपके लिए गलत भावना थी आज मामला निबटाने और आपसे सुलह करने के लिए पहल करेगा।

तुला

सेहत बढ़िया रहेगी। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से सरक जाएगा, लेकिन तंगी नहीं आयेगी। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है।

वृषभ

आज आपका दिन भाग-दौड़ से भरा रहेगा। किसी जरूरी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। आज आप घरेलू कामों में व्यस्त रहेंगे। आपको कोई शुभ समाचार मिलेगा।

वृश्चिक

आज आपका ज्यादातर समय माता-पिता के साथ बीतेगा। भौतिक सुख-संसाधनों में बढ़ोतरी होगी। बच्चों का भरपूर सहयोग मिलेगा। खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे।

मिथुन

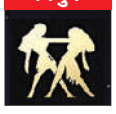

सूर्यदेव की कृपा से आज आपके जीवन की सभी विनाशकारी शक्तियां दूर भाग जाएंगी और आपके जीवन में खुशियां ही खुशियां होंगी। झूठ बोलने वालों से सावधान रहें।

धनु

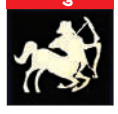

आज हर ओर से आपको खुशियों की प्राप्ति होगी। अपनी वस्तुओं को संभालकर नहीं रखने से नुकसान की उम्मीद है। व्यापारिक नवीन योजनाओं से लाभ होगा।

कर्क

आर्थिक परेशानियों के चलते आपको आलोचना और वादविवाद का सामना करना पड़ सकता है- ऐसे लोगों से न कहने के लिए तैयार रहें, जो आपसे जरूरत से ज्यादा उम्मीदें लगाए हों।

मकर

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा क्योंकि आप जिन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। सिर्फ अक्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा।

सिंह

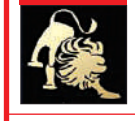

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में योग्यता साबित करने के लिए आपको थोड़ा संघर्ष करना पड़ सकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कुम्भ

आज आपका दिन घूमने-फिरने में बीतेगा। परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे। लवमेट के साथ संबंध मधुर होंगे। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक से कोई बड़ा फायदा होगा।

कन्या

आज परिवार में लोगों के बीच प्रेम बढ़ेगा और सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। बाहर के खान-पान से बचें। बौद्धिक चर्चा तथा बातचीत में भाग न लें, सफलता मिलेगी।

मीन

आज आपको अपने जीवन में खुशियों का नजारा देखने को मिलने वाला है। बिजनेस में फायदे की योग बने रहेंगे। और भूमि खरीदने के योग बन रहे है।

छोटा पर्दा | मन की बात

आलिया के मां बनने पर भावुक हुए पिता महेश भट्ट

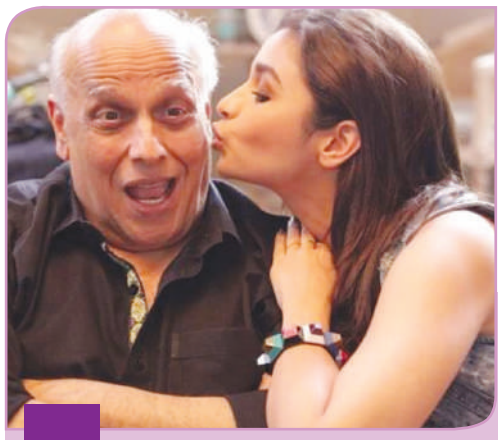

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर एक बच्ची के माता-पिता बन गए हैं। बेटी के आने को लेकर न सिर्फ उनके परिवार वाले बल्कि उनके इंडस्ट्री के दोस्त और फैंस भी खुशी से पागल हो गए हैं। 6 नवंबर को आलिया ने मुंबई के रिलायंस अस्पताल में अपनी बेटी को जन्म दिया, जिसके बाद महेश भट्ट काफी भावुक नजर आए। आलिया भट्ट के मां बनने की खबर पर महेश भट्ट ने मीडिया के साथ अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, मैं इस वक्त अपनी खुशी शब्दों में बयां नहीं कर पा रहा हूं। ये बच्ची रणबीर और आलिया को एक दूसरे के और करीब लाएगी। यह दोनों के साथ-साथ परिवार के लिए बेहद अमूल्य पल है। मुझे ऐसा लगता है जैसे कल की बात हो आलिया एक छोटी सी बच्ची थी जो मेरी गोद में खेलती थी, वो आज एक बेटी की मां बन गई है। महेश भट्ट ने मीडिया से कहा कि जब मुझे मेरी वाइफ सोनी का कॉल आया और उन्होंने कहा- आलिया ने बेटी को जन्म दिया है। जिस अंदाज में सोनी ने मुझसे यह बात कही, मैं उसे कभी भी शब्दों में बयान नहीं कर सकता। ऐसा लग रहा था मानों इमोशन्स का समंदर हमारे अंदर उफन रहा हो। छोटी के आने से घर बड़ा हो गया है। आलिया को लगातार बॉलीवुड इंडस्ट्री से बधाईयां मिल रही हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर बेटी के जन्म की जानकारी फैंस के साथ शेयर की थी। बता दें की आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने 14 अप्रैल 2022 को मुंबई में अपने घर में शादी की थी। एक्टर ने 2018 में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। दोनों पहली बार अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रम्हास्त्र के सेट पर मिले थे। चार साल एक दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने शादी कर ली थी।

बॉलीवुड | मसाला

सौ करोड़ के क्लब में एंट्री को तैयार कांतारा

केजीएफ के बाद Kantara दूसरी ऐसी कन्नड़ फिल्म बन गई है, जिसे देशभर में इतना ज्यादा प्यार मिल रहा है। फिल्म का हिंदी वर्जन भी बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार बिजनेस कर रहा है और जिस रफ्तार से यह फिल्म भाग रही है उससे ऐसा लगता है कि बहुत जल्द यह 100 करोड़ क्लब में भी शामिल हो जाएगी। चलिए जानते हैं फिल्म कांतारा का अभी तक का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन। एक तरफ जहां बॉलीवुड फिल्में थिएटर्स में मुश्किल से 10 दिन पूरे कर पा रही हैं वहीं दूसरी तरफ कांतारा पिछले 4 हफ्तों से लगातार सिनेमाघरों में टिकी हुई है। फिल्म को लेकर फैंस का दीवानापन कुछ इस कदर है कि राम सेतु और थैंक गॉड जैसी फिल्मों को भी इस फिल्म ने सिनेमाघरों से रिप्लेस किया है। कांतारा हिंदी के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो खबर है कि फिल्म का अभी तक का कुल कलेक्शन 60 करोड़ से ऊपर जा चुका है। माना जा रहा है कि सिर्फ सिनेमाघरों से ही फिल्म बहुत आसानी से 100 करोड़ का बिजनेस कर सकती है। क्योंकि अभी फिलहाल बॉलीवुड की कोई ऐसी बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हो रही है तो इसका फायदा भी फिल्म को मिलेगा।

एक दूजे के हुए म्यूजिक कपल पलक मुच्छल और मिथुन

सिंगर पलक मुच्छल आज शादी के बंधन में बंध गई हैं। उन्होंने म्यूजिक डायरेक्टर मिथुन के साथ निजी समारोह में शादी की। पलक और मिथुन की शादी में परिवार के लोग और करीबी दोस्त मौजूद रहे। कपल लंबे समय से रिलेशनशिप में था। उनकी हल्दी और मेहंदी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आई थीं। फंक्शन बेहद सिंपल तरीके हुआ। रिसेप्शन धूमधाम से करने की योजना है, जहां बॉलीवुड सेलिब्रिटीज मौजूद रहेंगे। पलक ने अपने सोशल मीडिया पेज पर शादी की तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वो और मिथुन परफेक्ट कपल लग रहे हैं। दुल्हन के जोड़े में पलक बेहद खूबसरत लगीं तो मिथुन शेरवानी में जच रहे हैं।

लाल रंग के जोड़े में दिखीं खूबसूरत

पलक ने शादी में लाल रंग का लहंगा पहना जिस पर गोल्डन वर्क है। वहीं मिथुन ने ऑफ व्हाइट कलर की शेरवानी कैरी की और मरून कलर की पगड़ी पहनी। हल्दी के फंक्शन में पलक ने येलो कलर की खूबसूरत सी ड्रेस पहनी थी। उनके भाई ने हल्दी सेरेमनी की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर की।

इन सेलेब्स को किया गया इनवाइट

सूत्र ने मेहमानों की लिस्ट के बारे में बताया कि सलमान खान, जैकी श्रॉफ, हिमेश रेशमिया, सोनू निगम और एआर रहमान सहित अन्य को इनवाइट किया गया है। टीवी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक और रश्मि देसाई भी मेहमानों की लिस्ट में शामिल हैं। शादी के बाद मिथुन और पलक विदेश में हनीमून मनाएंगे। हालांकि अभी तक उन्होंने लोकेशन का खुलासा नहीं किया है।

अजब-गजब | वर्टिकल टाउन के नाम से जाना जाता है यह शहर

एक ही इमारत में मौजूद हैं हॉस्पिटल, पुलिस स्टेशन, स्कूल, होटल और शॉपिंग मॉल

आपने कई बार बड़ी-बड़ी इमारतें देखी होंगी जिनमें हर सुख-सुविधा आपको मिल जाएगी लेकिन आज हम आपको एक ऐसी इमारत के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसमें पूरा शहर बसा हुआ है। ये इमारत अमेरिका के उत्तरी राज्य अलास्का में स्थित है। जिसका नाम व्हिटियर है। व्हिटियर के इस शहर को वर्टिकल टाउन के नाम से जाना जाता है। दुनिया की एक ऐसी इमारत है जहां आपको हर चीज मिल जाएगी। जैसे कि किसी शहर में हर चीज मिल जाती है। मसलन, स्कूल, शॉपिंग मॉल, पुलिस स्टेशन या फिर स्टेडियम।

इस बिल्डिंग में रहने वाले लोगों को किसी भी चीज के लिए कहां बाहर जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। वर्टिकल टाउन पूरी तरह से पहाड़ी से घिरा हुआ है। बता दें कि, पहले इस जगह का इस्तेमाल अमेरिका के सैनिक एक पड़ाव के रूप में किया करते थे, यहां रुककर सैनिक अलास्का के अंदरूनी हिस्सों में जाने की तैयारी करते थे। साल 1948 में अमेरिकन मिलिट्री ने अपने सैनिको को ठहरने के लिए दो इमारतों का निर्माण किया था। जिसमें से एक ईमारत साल 1964 में आये भयंकर भूकंप के क्षतिग्रस्त हो गई। जिसके बाद इसे खाली कर दिया गया और दूसरी इमारत को यहां के आम नागरिकों को सौंप दिया गया। उसके बाद शहर के सभी लोग इस इमारत में आकर रहने लगे। ये इमारत 14 मंजिल ऊंची है जिसमें दो और तीन बैडरूम के 150 कमरे बने हुए हैं। जिसमें 214 से ज्यादा लोग रहते हैं। इमारत में रहने के लिए यह कमरे पहली मंजिल से शुरू होते है। वहीं ग्राउंड फ्लोर पर बाकी की सभी सुविधाएं दी गई हैं। जिसमें पुलिस स्टेशन, हॉस्पिटल्स, दुकाने, लॉन्ड्री, पोस्टऑफिस, प्ले एरिया, होटल, शॉपिंग मॉल और एक स्कूल। यही नहीं प्रार्थना करने के लिए इमारत के बेसमेंट में एक चर्च भी बनाया गया है। बता दें कि इस शहर के लिए बनाया गया रेलवे ट्रैक सड़क पर ही बनाया गया है। जिससे बस और ट्रेनें दोनों ही एक ही इसका इस्तेमाल करती हैं। इमारत के पीछे मौजूद स्कूल का रास्ता एक बंद गलियारे से होकर गुजरता है। जिससे यहां के बच्चे बिना इमारत के बाहर निकले स्कूल पहुंच सकें। यह बंद रास्ता इन्हें ठंड से भी बचता है और यहां मौजूद भालुओं से भी, जो कभी कभी भटकते हुए यहां तक पहुंच जाते हैं। शहर में एक बंदरगाह और एक छोटी सी हवाई पट्टी भी है, जिनका इस्तेमाल बहुत कम किया जाता है। इस शहर में ठंड काफी ज्यादा होती है। लेकिन यहां के लोग इमारत से बाहर ही नहीं जाते। क्योंकि उनके ऑफिस भी इसी इमारत में मौजूद है, जिससे इनका काम भी नहीं रुकता। यही नहीं, ग्राउंड फ्लोर पर एक वेजिटेबल गार्डन भी मौजूद है जहां लोग अपनी मनपसंद की सब्जियां उगाते हैं और इसकी देखरेख बच्चों के हाथों में होती है।

शर्ट की बांह में क्यों लगे होते हैं 2 बटन ? आपको नहीं पता होगी इसकी असली वजह

हमारे आस-पास न जाने कितनी ऐसी चीज़ें होती हैं, जो हम देखते तो रोज़ाना हैं, लेकिन उसके बारे में ज्यादा कुछ जानने की कोशिश नहीं करते। मसलन कैप पर पॉम-पॉम क्यों लगे होते हैं या फिर हमारे हाथ में ही रहने वाली पेन की कैप पर एक छोटा छेद क्यों बना होता है? इसी तरह का एक सवाल ये है कि आखिर शर्ट की बांह पर दो बटन क्यों लगे होते हैं? कुछ चीजें हमारी जिंदगी का हिस्सा बन जाती हैं और हम उसका कारण तलाशना छोड़िए, उस पर ध्यान तक देना बंद कर देते हैं। आपने देखा होगा कि पुरुषों की शर्ट की जो बांह होती है, उस पर दो बटन लगे हुए होते हैं। ये सवाल भी आपके जेहन में जरूर उठा होगा कि बांह बंद तो एक बटन से भी हो सकती है, तो फिर दो बटन का क्या काम ? टिकटॉक पर @ joe_&_style नाम से अकाउंट चलाने वाले स्टायलिस्ट जो ने इस सवाल का जवाब दिया है। उन्होंने बताया कि ऐसा नहीं है कि शर्ट की बांह पर एक बट काम के लिए और दूसरी यूं ही सजावटी तौर पर लगाई जाती है। इसके पीछे अपनी वजह है। बाकायदा वीडियो में बटन को दिखाते हुए उन्होंने बताया कि दोनों बांहों में 2-2 बटन देने का मतलब ये होता है कि आप जिस हाथ से काम करते हैं, उसमें शर्ट की बांह टाइट बांध सकें, जबकि जिस हाथ में घड़ी लगाते हैं, उसमें इसे लूज़ रख सकें, ताकि घड़ी को कलाई पर जगह मिले। इस वीडियो को देखने के बाद लोग हैरान रह गए। उनका कहना था कि वो इस तरह से कभी सोच ही नहीं पाए। दरअसल दायें हाथ से काम करने वाले इसे टाइट बांध सकते हैं, ताकि ये काम के वक्त तंग न करे, वहीं बांयें हाथ में वो इसे ढीला करके पीछे कर लेते हैं। लोगों ने कमेंट में बताया कि वे आज तक सिर्फ यही समझते थे कि ये इसलिए लगी है, ताकि एक बटन खो जाए, तो दूसरी लगाई जा सके।

'डबल इंजन की सरकार' में उद्योगपतियों के इंजन में ही भरा जा रहा तेल : प्रियंका

» सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल करने समेत कई वादे किए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने हिमाचल प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने समेत कई वादे किए। प्रियंका ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता को यह समझना होगा कि 'दवा बदलने से बीमारी दूर नहीं होने' की बात उन्हें गुमराह करने के लिए कही जा रही है। वह ऊना में 'परिवर्तन प्रतिज्ञा रैली' को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी के कई बड़े नेता हुए, लेकिन उन्होंने सिर्फ अपनी तरक्की की और जनता की तरक्की पर कोई ध्यान नहीं दिया। प्रियंका ने प्रधानमंत्री मोदी का नाम लिए बगैर कहा, 'इनके (भाजपा) नेता कहते हैं कि दवाई बदलने से बीमारी दूर नहीं होती। क्या हिमाचल प्रदेश और वहां की जनता बीमार है? देखिए किस नजरिये से आप (जनता) को देखा जा रहा है? आपको बताया जा रहा है कि आप बीमार हैं। समझ लीजिए कि आप लोगों को गुमराह किया जा रहा है। सनद रहे प्रधानमंत्री मोदी ने एक चुनावी सभा में हिमाचल प्रदेश के लोगों से हर पांच साल में सरकार बदलने की 'गलती' नहीं दोहराने का अनुरोध किया था। मोदी ने कहा था, 'बार-बार दवा बदलना बीमारी के इलाज में मददगार नहीं है। आप को एक ही दवा के साथ लंबे समय तक बने रहना है, ताकि इसके असर को देख सकें। हर हफ्ते अलग-अलग दवा लेने से किसी का भला नहीं होगा। हिमाचल प्रदेश ने यही गलती की है।

भाजपा सरकार में युवाओं को नहीं मिला रोजगार

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार में तमाम साधनों के बावजूद 63 हजार पद खाली हैं। इन्होंने पदों को खाली क्यों रखा है? हमारी सरकार बनने पर मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही एक लाख रोजगार देने पर निर्णय होगा। प्रियंका गांधी ने पुरानी पेंशन योजना और रोजगार के मुद्दे का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकारों ने इन वादों को पूरा किया और मौका मिलने पर हिमाचल प्रदेश में इसे किया जाएगा। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा सरकार में युवाओं के बीच नशा फैलाया जा रहा है, लेकिन रोजगार नहीं दिया जा रहा है।

सिसोदिया का करीबी दिनेश अरोड़ा बनेगा सरकारी गवाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय राजधानी में आबकारी नीति बनाने और उसे लागू करने के कथित भ्रष्टाचार मामले में आरोपी कारोबारी दिनेश अरोड़ा सरकारी गवाह बनने के लिए तैयार हो गया है। दिनेश अरोड़ा को सरकारी गवाह बनाने की सीबीआई की याचिका पर अदालत 14 नवंबर को फैसला करेगी।

अरोड़ा उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का करीबी होने से उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जानकारी के अनुसार दिल्ली की एक अदालत 14 नवंबर को फैसला करेगी कि सीबीआई को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के करीबी कारोबारी दिनेश अरोड़ा को दिल्ली आबकारी नीति मामले में सरकारी गवाह बनाने की अनुमति दी जाए या नहीं। विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल मामले में उसे गवाह बनने की अनुमति देने की अरोड़ा की याचिका पर दलीलें सुनेंगे। वहीं सुनवाई के दौरान आरोपी ने अदालत से कहा कि वह इस मामले में स्वेच्छा से खुलासा करने के लिए तैयार है और वह इस मामले में सरकारी गवाह बनने की इच्छा जताई है।

इन्हीं का चुनाव आयोग, इन्हीं की कोर्ट-कचहरी : राकेश टिकैत

» उपचुनाव में बीजेपी के जीतने पर बरसे राकेश टिकैत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोला गोकर्णनाथ सीट पर बीजेपी उम्मीदवार अमन गिरि की जीत के बाद किसान नेता राकेश टिकैत ने बीजेपी पर हमला बोला है। बिना बीजेपी का नाम लिए हुए टिकैत ने कहा कि चुनाव आयोग से लेकर कोर्ट-कचहरी तक सही उन्हीं (बीजेपी) के हैं। बीजेपी को जनता वोट नहीं दे रही है, लेकिन फिर भी जीत उनकी ही हो रही है।

प्रयागराज में राकेश टिकैत ने कहा कि जब बेईमानी होती है तो कोई असर नहीं पड़ता। इन्हीं (बीजेपी) का इलेक्शन कमिशन है, कोर्ट-कचहरी और अधिकारी सब इन्हीं के है। सब बेईमानी से होगा। पूरी यूपी सरकार बेईमानी से बनी है। जनता वोट नहीं दे रही है, लेकिन बेईमानी से जीत मिल रही है। 2024 में भी बीजेपी की ही जीत होने जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि बेईमानी से सारा काम होगा। अगला टारगेट प्रेस है। जितने दिन जान बचानी है बचा लीजिए, अगला टारगेट प्रेस पर है।

मालूम हो कि पिछले साल लखीमपुर में हुए थार कांड के बाद से राकेश टिकैत ने कई बार वहां के दौरे किए थे। इसके अलावा, उन्होंने अजय मिश्रा टेनी के इस्तीफे की भी मांग की थी। वहीं, लंबे समय तक चले किसान आंदोलन में भी टिकैत ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं।

प्रसव के लिए ऑन कॉल मौजूद होंगे डॉक्टर स्वास्थ्य केन्द्रों पर शुरू होगी सुविधा

» स्वास्थ्य विभाग का अहम फैसला

» सिजेरियन के लिए ही ऑनकॉल की सुविधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अहम कदम उठाया है। फर्स्ट रेफरल यूनिटों (एफआरयू) यानि कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। डॉक्टरों की कमी को पूरा करने के लिए ऑनकाल व्यवस्था की जाएगी।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने ऑनकाल डॉक्टरों को रखने की गाइडलाइन जारी कर दी है। इसके बाद उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशक को

व्यवस्था को बेहतर तरीके से लागू करने के निर्देश दिये हैं। यूपी में हर साल लगभग 56 लाख प्रसव हो रहे हैं। मातृ शिशु मृत्युदर में कमी लाने के लिए संस्थागत प्रसव की व्यवस्था को और मजबूत करने की तैयारी है। इसमें डॉक्टरों की कमी अभी तक रोड़े अटका रही थी। फस्ट रेफरल यूनिटों में भी अब ऑनकाल डॉक्टर बुलाये जा सकेंगे। यूपी में 417 एफआरयू हैं। 149 में इलाज की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। डॉक्टरों की कमी की वजह से कई एफआईआरयू सेंटर मरीजों को इलाज की सभी सुविधाएं नहीं मिल पा रही है इसलिए पुख्ता व्यवस्था बनाई जा रही है। ऑनकाल और फालोअप पर बुलाने के लिए अलग से मानदेय प्रदान किया जाएगा। खास बात यह है कि सिजेरियन के लिए ही ऑनकाल डॉक्टर बुलाया जाएगा। जिन एफआरयू में स्त्री रोग व एनस्थीसिया विशेषज्ञों की टीम नहीं होगी, वहां निजी क्षेत्र में कार्यरत विशेषज्ञ ऑनकाल बुलाए जा सकेंगे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि एफआरयू इकाइयों में सिजेरियन की पुख्ता व्यवस्था से बड़े अस्पतालों में मरीजों का दबाव कम होगा। समय से गर्भवती महिलाओं को इलाज मिलने की राह आसान होगी। एफआरयू में आवश्यक दवायें और उपकरण आदि की व्यवस्था है।

दीपों से जगमगाया मनकामेश्वर उपवन घाट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमती किनारे मनकामेश्वर उपवन घाट पर सवा लाख दीप एक साथ जगमगाए तो लोग मंत्रमुग्ध हो उठे। महंत देव्या गिरि ने 11 वेदियों से मंत्रोच्चारण के साथ मां गोमती की आरती की। नैवेद्य, दूध, दही, पुष्प आदि से देवताओं का पूजन किया। आरती के दौरान घंटे-घड़ियालों की गूंज से मनकामेश्वर उपवन गूंज उठा। इस दौरान आतिशबाजी ने भी लोगों का मनोरंजन किया।

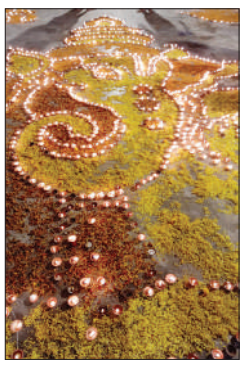

सीएमएस के घोटालों को लेकर माननीय लोगों से गुहार, न लें भाग

» सीएमएस में 18 से 22 नवंबर तक आयोजित होने जा रहा है 23वां अंतरराष्ट्रीय मुख्य न्यायाधीश सम्मेलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के सिटी मांटेसरी स्कूल (सीएमएस) समूह का प्रबंधन आगामी 18 से 22 नवंबर तक कानपुर रोड शाखा में 'भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51' के हवाले से विश्व शांति, एकता और विश्व के ढाई अरब से अधिक बच्चों के सुन्दर एवं सुरक्षित भविष्य के प्रति चिंतित होने की बात करते हुए 23वां अंतरराष्ट्रीय मुख्य न्यायाधीश सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है।

इस बीच स्थानीय राजाजीपुरम निवासी कंसलटेंट इंजीनियर संजय शर्मा ने अपनी आरटीआई और शिकायतों पर सरकारी कार्यालयों द्वारा दी गई सूचनाओं के आधार पर जगदीश गांधी द्वारा लखनऊ में चलाये जा रहे सीएमएस समूह की अनेकों शाखाओं के भवन अनेकों अवैध निर्माणों के साथ निर्मित किये जाने, शाखाओं में अग्निशमन मानक पूरे नहीं होने और अग्निशमन रूप से असुरक्षित इन बिल्डिंग्स में कभी भी होटल लेवाना अग्निकांड जैसी दुर्घटना की संभावना व्यक्त करते हुए ऐसी शाखाओं में पड़ रहे बच्चों का जीवन हरदम खतरे में होने जैसी बातें कहते हुए कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए आने वाले देश के रक्षा मंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों, सूबे के उप मुख्यमंत्रियों, लखनऊ की मेयर और अन्य देशी-विदेशी मेहमानों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव, यूनेस्को के महानिदेशक, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के अध्यक्ष, राष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और सूबे के राज्यपाल, मुख्य न्यायाधीश और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर नैतिक आधार पर कार्यक्रम में शिरकत नहीं करने की गुहार लगाई है। संजय ने पत्र में लिखा है कि यह विडंबनापूर्ण है कि गरीब बच्चों के लिए शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत प्रवेश न देने और अपने आप को पारदर्शिता कानून से बाहर रखने जैसे मुद्दों पर अदालती लड़ाई लड़ने वाला, नई नई शाखाएं खोलने और सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए इस प्रकार के आयोजन करने के लिए छात्रों के अभिभावकों से उनके बच्चों की पढ़ाई पर आने वाले वास्तविक खर्चों से बहुत अधिक रकम फीस के रूप में वसूलने वाला सीएमएस प्रबंधन बड़ी-बड़ी आदर्शवादी बातें कहते हुए ये आयोजन कर रहा है। जबकि सीएमएस पर घोटाले के भी आरोप लग चुके हैं। यही नहीं, भारत में शिक्षा को एक अत्यंत पवित्र क्षेत्र बताते हुए संजय ने प्राचीन भारत के गुरुकुलों का उदहारण देते हुए पत्र में लिखा है कि उनके विचार से सीएमएस प्रबंधन और जगदीश गांधी को ऐसे कार्यक्रम करने का तब तक कोई नैतिक अधिकार नहीं है। संजय ने पत्र में लिखा है कि कार्यक्रम में आने वाले आगंतुकों से भारत के साथ-साथ सकल विश्व को अतीव उच्च श्रेणी की नैतिक अपेक्षाएं हैं और इसीलिए उनके द्वारा इस कार्यक्रम में शिरकत करना नैतिक आधार पर तब तक उचित नहीं है। जब तक सिटी मांटेसरी स्कूल समूह प्रबंधन और जगदीश गांधी अपनी कथनी और करनी के अंतर को मिटा नहीं देते हैं।

इंजीनियर संजय शर्मा ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री को पत्र भेज नैतिक आधार पर लगाई भाग न लेने की गुहार

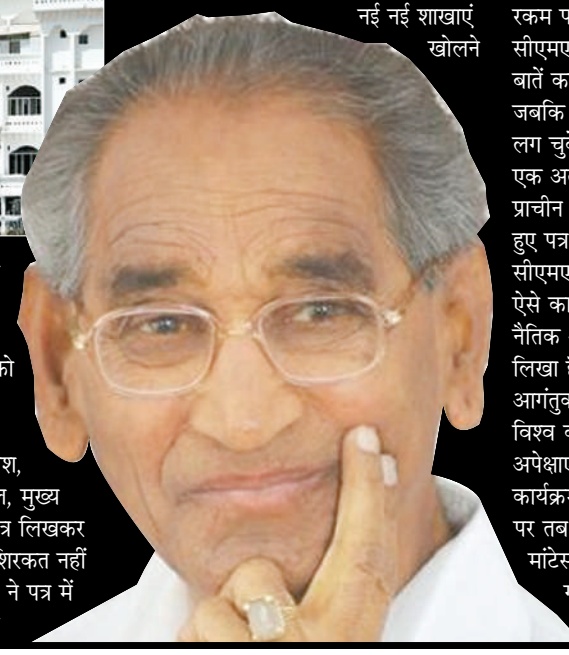

65 लाख विधायक निधि लौटाए अब्दुल्ला आजम!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम की विधायकी रद्द होने के फैसले को जारी रखते हुए अब्दुल्ला आजम की याचिका को खारिज किया है। अब्दुल्ला आजम ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

इस याचिका के खारिज होने पर अब्दुल्ला आजम पर विधायक निधि के खर्च किए गए करीब साढ़े 65 लाख रुपए लौटाने के लिये शिकंजा कस सकता है। खर्च की गई विधायक निधि की रिकवरी के लिए भाजपा नेता ने दोबारा मांग उठाई है। विधानसभा सदस्यता रद्द होने पर उनसे विधायक निधि के द्वारा वेतन, खर्च किए गए भत्ते और यात्रा शुल्क के तहत करीब साढ़े 65 लाख की मांग की गई थी, लेकिन उन्होंने मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन होने की दलील देते हुए, इस रकम को नहीं लौटाया था। यह मांग भाजपा नेता और आजम खान के धुर विरोधी माने जाने वाले आकाश सक्सेना उर्फ हनी ने की थी।

कांग्रेस ने दिए समान नागरिक संहिता के समर्थन के संकेत

मनु सिंघवी ने महंगाई के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का दांव चलकर जहां विपक्षी खेमे में हलचल बढ़ा दी है(वहीं कांग्रेस ने भाजपा के इस ऐलान पर उसे आड़े हाथों लिया और कहा कि वह भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का समर्थन करती है, लेकिन वह इस पर राजनीति नहीं चाहती है। सरकार को इस पर आम सहमति बनानी जानी चाहिए और राजनीतिक दलों से बात करनी जाए।

कांग्रेस पार्टी शुरू से ही इसकी पक्षधर रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि भाजपा को धर्म, डेरे और यूसीसी जैसे मुद्दों की याद तब आती है जब चुनाव होते है और हार रही होती है। हिमाचल प्रदेश में भी भाजपा ने हार के डर से ही यूसीसी का राग छेड़ा है। फिलहाल वह जनता के आंख में धूल झोंकने का काम कर रही है। उन्होंने सवाल खड़ा करते हुए कहा कि यदि भाजपा को यूसीसी लाना ही था, तो पांच साल पहले क्यों नहीं लाए। प्रदेश में पिछले पांच सालों से वह सत्ता में थी, जबकि केंद्र में आठ सालों से सत्ता में है। उन्होंने कहा कि वैसे भी यूसीसी प्रादेशिक स्तर पर नहीं चल सकता है। क्योंकि एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में लोग आते जाते रहते है, ऐसे में क्या नया यूसीसी लेना पड़ेगा।

भाजपा के गढ़ हमीरपुर में त्रिकोणीय मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के प्रभुत्व वाली हमीरपुर सदर सीट पर भाजपा और कांग्रेस को निर्दलीय इस बार कड़ी टक्कर देने के मूड में है, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। भाजपा ने मौजूदा विधायक नरेंद्र ठाकुर पर फिर से भरोसा जताया है तो कांग्रेस ने नए चेहरे डॉक्टर पुष्पेंद्र वर्मा को चुनाव में उतारा है।

पुष्पेंद्र वर्मा पूर्व मंत्री उद्योग मंत्री रणजीत वर्मा के सुपुत्र हैं और हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर हैं। आरएसएस की विचारधारा से ताल्लुक रखने वाले आशीष शर्मा ने निर्दलीय ताल ठोक कर चुनावी मुकाबले को रोचक बना दिया है। हमीरपुर हल्के में 35 वर्षीय आशीष शर्मा पिछले लंबे समय से सक्रिय हैं। विभिन्न ग्राम पंचायतों की महिला मंडलों के अलावा युवाओं में उन्होंने अच्छी पैठ बना ली है। राजनीतिक पंडितों की मानें तो आशीष शर्मा भाजपा के वोट बैंक में सेंध लगा सकते हैं।

झांसी में पटरी से उतरे मालगाड़ी के डिब्बे

» रेलगाड़ियों की आवाजाही पर पड़ा असर, यात्री परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। झांसी में रेलवे ट्रैक पर मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। मंगलवार सुबह डिब्बों के उतरने के बाद इस रेल लाइन की सेवाओं पर असर पड़ा है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी पहुंच गए।

अधिकारियों ने बताया कि वह रेल यातायात को जल्द से जल्द सुचारू रूप से बहाल करने पर जोर दे रहे हैं। यह घटना मंगलवार की सुबह छह बजे के आसपास हुई। एक मालगाड़ी के 4 डिब्बे पटरी से उतर गए, इससे कई सवारी गाड़ियों का आवागमन प्रभावित हो गया। डिब्बों को वापस पटरी पर लाने का काम किया जा रहा है। अभी रेल यातायात प्रभावित बना हुआ है। स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ जमा है। रेल प्रशासन द्वारा डिब्बों को वापस पटरी पर लाने का काम तेजी से किया जा रहा है। रेल अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।